तापमान
अधिकतम 21.7 डिग्री
न्यूनतम 5.7 डिग्री

हरिभूमि
# सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

11 पूर्व मेयर ने सेक्टर 15 में चलाया स्वच्छता अभियान

12 गुमड़ में पशु अस्पताल का सपना चार साल बाद भी अधूरा

## खबर संक्षेप

### फरमाना में घर से नकदी व आभूषण चोरी

**खरखौदा।** फरमाना चोरों ने एक घर की अलमारी का ताला तोड़कर नकदी और आभूषण चोरी कर लिए। चांद ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी बच्चों को लेकर अपने मायके गई हुई थी। उनके जाने के साथ ही वह अपने काम पर चला गया। घर लौटने पर उसने अलमारी का ताला टूटा हुआ पाया गया। जिस में रखे नकद रुपए व कुछ जेवरात चोरी हुए मिले। पुलिस ने चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### मोबाइल फोन छीनने के आरोपी गिरफ्तार

**सोनीपत।** जिले के थाना सिविल लाइन सोनीपत पुलिस ने मोबाइल फोन छीनने की घटना में संलिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार कर छीना गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान संजय उर्फ काला निवासी सिक्का कॉलोनी सोनीपत और हितेश उर्फ भाटिया निवासी जटवाड़ा सोनीपत के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार परमानंद पुत्र चन्द्रभान निवासी न्यू तारा नगर सोनीपत ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दी थी कि 23 अक्टूबर 2025 की रात करीब साढ़े आठ बजे वह ओल्ड डीसी रोड से अपने घर की ओर जा रहा था। हनुमान मंदिर वाली गली के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उसकी कमीज की ऊपरी जेब से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया। सहायक उप निरीक्षक विजय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को पकड़ा और फोन को बरामद किया।

# सुबह 11 बजे तक धुंध की आगोश में रहा शहर, ठंड ने छुड़ाई कंपकंपी

■ आज भी घना कोहरा छाने का अलर्ट, अभी ठंड से राहत की उम्मीद नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है और कड़ाके की ठंड के साथ कोहरे की वजह से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है जिससे सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ गई है। हालांकि शनिवार को तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन सुबह के समय घने कोहरे की वजह से ठंड बनी रही। वहीं दोपहर के समय तेज धूप की वजह से मौसम में काफी बदलाव हुआ। जिसके कारण ठंड से लोगों को राहत मिली। हालांकि शाम होते होते मौसम में फिर से ठंडक बन गई। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनीपत के सरगथल क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। वहीं अधिकतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आए इस अंतर के कारण सुबह और शाम के समय अत्यधिक ठंड महसूस की जा रही है। शुक्रवार की देर रात से ही वातावरण में बदलाव देखा गया और हल्का कोहरा छाने लगा था। शनिवार की सुबह होते ही कोहरे का घनत्व बढ़ गया जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों को कोहरे के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

### धूप निकलने पर पार्क गुलजार

कोहरे का असर शनिवार की सुबह लगभग पौने 11 बजे तक बना रहा। इसके बाद धीरे धीरे कोहरा छटना शुरू हुआ और सूरज की किरणें धरती पर पहुंचीं। करीब 11 बजे धूप निकलने के बाद लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मिली। धूप खिलने के साथ ही लोग अपने घरों की छतों और पार्कों में बैठे नजर आए।

■ दिन में ठंडी हवाओं ने तेज धूप के प्रभाव को किया कम, शाम को फिर से बढ़ी ठंडक

■ न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

हालांकि धूप निकलने के बावजूद ठंडी हवाओं ने राहत में खलल डाला। दिन भर करीब छह किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलती रहीं जिसके कारण धूप का प्रभाव कम महसूस हुआ।

### लोगों को सता रहा मौसम

मौसम में आए इस बदलाव का सीधा असर आम जनजीवन और स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ठंड और ठंडी हवाओं के कारण अस्पतालों में जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि इस बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा से बचाकर रखना चाहिए। सुबह और शाम के समय गर्म कपड़ों का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए ताकि ठंड की चपेट में आने से बचा जा सके।

### बारिश का इंतजार

वायु गुणवत्ता की बात करें तो सोनीपत में वायु गुणवत्ता सूचकांक 133 दर्ज किया गया। यह स्तर मध्यम श्रेणी में आता है जो स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। कोहरे और कम तापमान के कारण वायुमंडल में प्रदूषित कण नीचे की तरफ बने रहते हैं जिससे सांस लेने में समस्या हो सकती है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक हवा की गति में तेजी नहीं आती या बारिश नहीं होती तब तक वायु गुणवत्ता में बड़े सुधार की उम्मीद कम है।

### न्यूनतम तापमान कम होगा शीतलहर के लिए रहें तैयार

आने वाले सप्ताह में न्यूनतम तापमान में और कमी आने की संभावना जताई गई है जिससे शीत लहर की स्थिति पैदा हो सकती है। आने वाले दिनों में और अधिक कड़ाके की ठंड के लिए तैयार रहना होगा। धूप निकलने से दिन के समय जो राहत मिल रही है वह अस्थायी हो सकती है क्योंकि शाम होते ही सर्द हवाएं फिर से अपना प्रभाव दिखाने लगती हैं।

-डॉ. प्रेमदीप, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, जगदीशपुर

बाथरूम में मिला महिला का शव

# गैस गीजर से दम घुटने की आशंका, घर पर नहीं था कोई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

■ फैक्ट्री से लौटे पति को बाथरूम बंद मिला, दरवाजा तोड़कर बेसुध सोनू कुमारी को अस्पताल पहुंचाया, मृत घोषित

टीडीआई किंग्सबरी सोसायटी, कुंडली में शुक्रवार को बाथरूम में नहाते समय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में गैस गीजर चलने और बाथरूम में वेंटिलेशन न होने के कारण दम घुटने से मौत की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर कुंडली थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असल कारणों का पता लग सकेगा।

मूलरूप से राजस्थान के झुंझुनूं निवासी आनंद अपनी पत्नी सोनू कुमारी (33) के साथ टीडीआई किंग्सबरी स्थित एक फ्लैट में किराये पर रहते हैं। वह कुंडली स्थित एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं। शुक्रवार को वह ड्यूटी पर गए हुए थे। शाम को जब वह घर लौटे तो बाथरूम अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज देने के बावजूद सोनू कुमारी की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उन्होंने बाथरूम का दरवाजा तोड़ा। अंदर सोनू कुमारी बेसुध अवस्था में पड़ी मिलीं। वह उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है महिला नहाते समय बाथरूम में लगे गैस गीजर का उपयोग कर रही थीं। बाथरूम में वेंटिलेशन की उचित व्यवस्था नहीं थी, जिससे ऑक्सीजन की कमी हो गई और कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण दम घुटने की स्थिति बनी। बता दें कि आनंद व सोनू कुमारी की शादी वर्ष 2023 में हुई थी और उनके पास कोई संतान नहीं थी। घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर है।

## बेगा रोड पर शव मिलने से हड़कंप

■ पुलिस युवक की शिनाख्त करने में जुटी, ठंड से मौत की आशंका

**गन्नौर।** बेगा रोड पर सड़क किनारे शनिवार सुबह एक अज्ञात कूड़ा बीनने वाले का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देख इसकी सूचना थाना बड़ी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

थाना बड़ी पुलिस द्वारा प्रथम दृष्टया कूड़ा बीनने वाले की मौत ठंड लगने से होने की आशंका जताई गई है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन उसकी पहचान नहीं हुई।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

# साइबर ठगी : 89 बार में 1.55 लाख रुपये की नकदी गायब

**सोनीपत।** जिले में आए दिन साइबर ठगी के मामले सामने आ रहे हैं, शनिवार को मयूर विहार निवासी सुरेश के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने उनके एचडीएफसी बैंक के दो खातों से धोखाधड़ी कर 1.55 लाख रुपये की रकम निकाल ली। पीड़ित का आरोप है कि न तो किसी प्रकार का ओटीपी, संदेश या संदिग्ध लिंक प्राप्त हुआ और न ही उन्हें लेनदेन की कोई पूर्व जानकारी मिली। पीड़ित सुरेश ने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि 10 दिसंबर 2025 से 18 दिसंबर 2025 के बीच उनके एचडीएफसी बैंक के दो खातों से अलग-अलग तारीखों में छोटी-छोटी राशियों में पैसे निकाले गए। यह रकम विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की गई, जिससे ठगी को छिपाने की साजिश का अंदेशा जताया जा रहा है। सुरेश ने बताया कि उन्हें धोखाधड़ी की जानकारी 18 दिसंबर को तब हुई जब वह बैंक से पैसे निकालने पहुंचे।

■ न ही आया ओटीपी, न मिला था कोई लिंक, पुलिस ने दर्ज किया केस

### 10 से लेकर 10 हजार रुपये तक की राशि की ट्रांसफर

बैंक रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि उनके खातों से लगातार 89 ट्रांजेक्शन किए गए हैं और 1.55 लाख रुपये की रकम गायब है। ठगों ने अलग-अलग नामों से खोले गए खातों में 10 रुपये से लेकर 10 हजार रुपये तक की राशि ट्रांसफर की है। यह लेनदेन बड़ी संख्या में होने के कारण संदेह और गहरा गया है कि पूरा मामला संगठित साइबर ठगी से जुड़ा हो सकता है।

## पुलिस ने सड़क किनारे लगे ठेले, अस्थायी ढांचे हटवाए

**गन्नौर।** यातायात पुलिस द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी है। ट्रैफिक इंचार्ज गन्नौर उप निरीक्षक सोहन ने अपनी टीम के साथ रेलवे रोड से लेकर देवीलाल चौक तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारू किया गया। पुलिस टीम ने नगरपालिका के सहयोग से सड़क किनारे लगे अवैध ठेले, अस्थायी ढांचे हटवाए और अवैध पार्किंग करने वाले वाहनों के चालान काटे। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों और आमजन को जागरूक करते हुए सार्वजनिक सड़कों व मुख्य मार्गों पर दोबारा अतिक्रमण न करने की अपील की गई। पुलिस ने चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों की अनदेखी करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उप निरीक्षक सोहन ने कहा कि आमजन की सुविधा और सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान जारी रहेगा।

■ गिरफ्तारी से पहले सोशल मीडिया पर बोले आरोपी-सोनू ने पहले हमला किया

**पुलिस ने तीन दिन के रिमांड पर लिया, एक आरोपी को पुलिस पहले पकड़ चुकी**

# सोनू की हत्या और शव को खुर्दबुर्द करने के दो और आरोपी गिरफ्तार

**गन्नौर।** बेगा गांव में सोनू शर्मा उर्फ टिटा की हत्या के मामले में थाना गन्नौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे दोनों आरोपित संजय और कुलदीप को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जबकि पुलिस ने तीसरे आरोपित फिरोज को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या की वारदात में फिरोज, संजय और कुलदीप तीनों की सक्रिय भूमिका रही है। पहले सोनू अपने एक साथी के साथ शराब पी रहा था। बाद में तीनों आरोपितों ने उसे अपने पास बुला लिया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि सोनू का तीनों आरोपितों पर दबदबा था, जिस कारण वे उससे रंजिश रखते थे। शराब पीने के दौरान इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो बाद में हिंसक झगड़े में बदल गई। पुलिस के अनुसार झगड़े के दौरान तीनों आरोपितों ने सोनू पर हमला कर दिया और लोहे की राड से वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित शव बाइक पर रखकर यमुना के किनारे दबा दिया।

**गन्नौर।** पुलिस की गिरफ्त में आरोपी युवक।

### रॉड, बाइक और सोनू का फोन बरामद करेगी पुलिस

एसीपी ऋषिकांत ने बताया कि रिमांड अवधि के दौरान पुलिस आरोपितों से हत्या में प्रयुक्त लोहे की राड, वारदात में प्रयोग की गई बाइक, आरोपितों के कपड़े और मृतक सोनू का मोबाइल फोन बरामद करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में और भी खुलासे होने की संभावना है।

### आरोपी बोले- फिरोज की सोनू के साथ थी रंजिश

गिरफ्तारी से पहले आरोपित संजय व कुलदीप ने खुद का बचाव करने की मंशा से पहले इंटरनेट मीडिया पर अपना पक्ष रखा। हत्या में शामिल आरोपित संजय व कुलदीप ने सफाई दी कि उनकी हत्या करने की कोई योजना नही थी। फिरोज की ही सोनू के साथ पुरानी रंजिश थी, वह शराब के नशे में था। उसने ही सोनू को अपने पास बुलाया था। बेगा गांव में शराब का ठेका बंद था तो वह दूसरे ठेके पर शराब लेने गए थे। जब वह आए तो उन्होंने देखा की फिरोज ने सोनू के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसके गले में परना डाला और फिर उसके सिर पर लोहे की राड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। उनकी सोनू से कोई रंजिश नहीं थी, लेकिन हत्या के बाद उन्होंने नशे में फिरोज का साथ दिया।हत्या में शामिल आरोपित संजय व कुलदीप ने सोनू उर्फ टीटा की हत्या के बाद खुद का बचाव करने के लिए यू- ट्यूब चैनल पर वारदात को लेकर खुलासा करते हुए सफाई दी कि उनकी मर्डर करने की कोई योजना नही थी। गांव के ही युवक फिरोज ने पुरानी रंजिश को लेकर पूरी वारदात को अंजाम दिया।

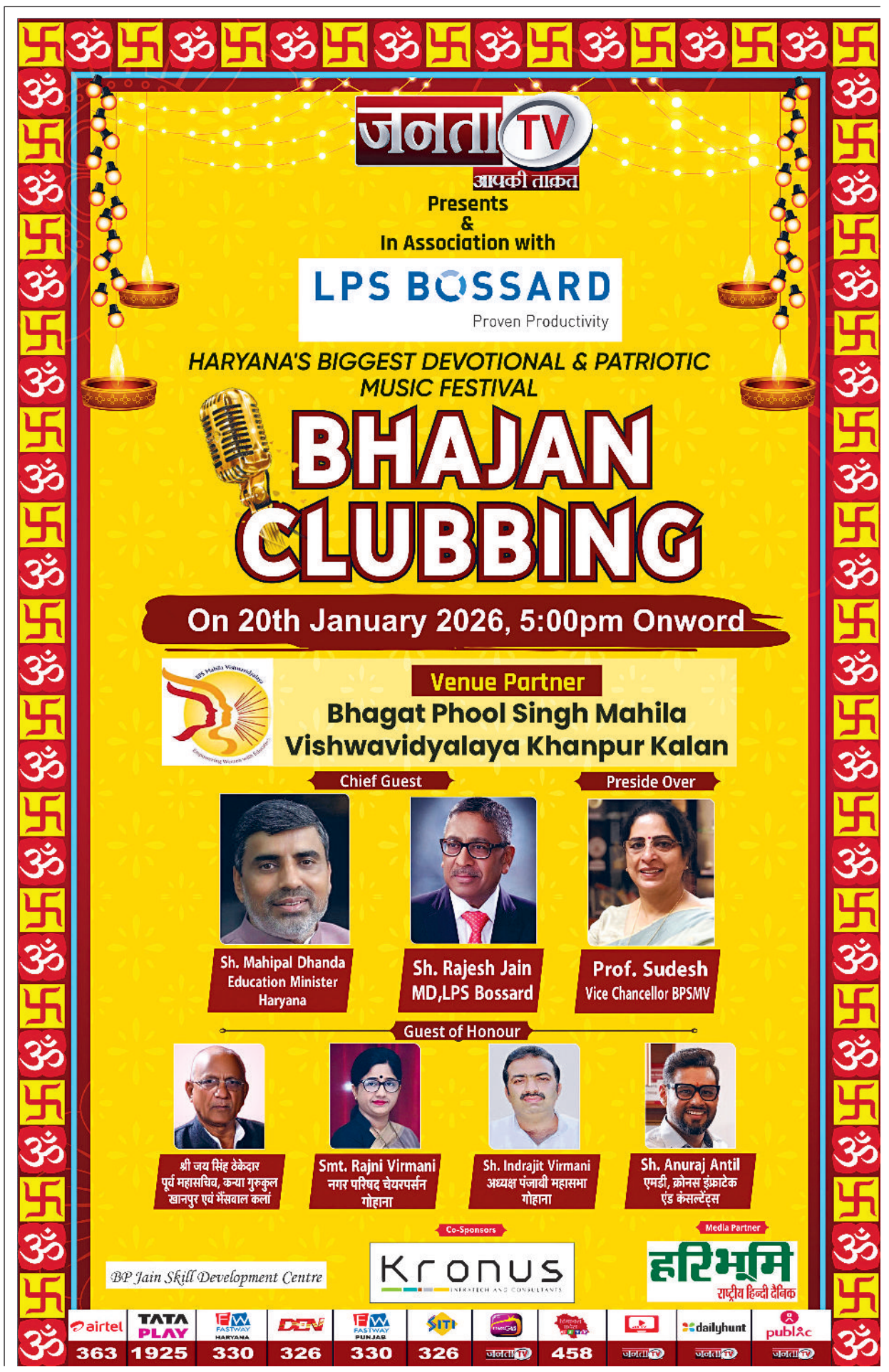

# जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

## 50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

## इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

## ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

## इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

## इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

---

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

# बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

## एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

## शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

### लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

### बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

### इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

### इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

### यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

### ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

### क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

### लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

---

# छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

### एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

### एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका



खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

### विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

### किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और **SWP** सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

---

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

# लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

### प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।



### प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

### ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया

## इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

### बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

### लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

### जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

### सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

---

# लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

## आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

**सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में**
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

### क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

### गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

### बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

### बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

### दोनों में क्या है अंतर

| | |
|---|---|
| आधार | : लोन लेने का मकसद |
| गुड लोन | : भविष्य को मजबूत बनाना |
| बैड लोन | : सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना |
| आधार | : पैसे का असर |
| गुड लोन | : दौलत और कमाई बढ़ाता है |
| बैड लोन | : जेब पर बोझ बढ़ाता है |
| आधार | : ब्याज दर |
| गुड लोन | : अपेक्षाकृत कम |
| बैड लोन | : काफी ज्यादा |
| आधार | : लंबे समय का फायदा |
| गुड लोन | : फायदा देता है नहीं |
| बैड लोन | : नुकसान बढ़ाता है |
| आधार | : कमाई |
| गुड लोन | : बढ़ाने में मदद करता है |
| बैड लोन | : नहीं करता |
| आधार | : जोखिम का स्तर |
| गुड लोन | : कम जोखिम |
| बैड लोन | : ज्यादा जोखिम |
| आधार | : उदाहरण |
| गुड लोन | : होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन |
| बैड लोन | : पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन |
| आधार | : मानसिक असर |
| गुड लोन | : सुरक्षा और स्थिरता |
| बैड लोन | : तनाव और दबाव |
| आधार | : भविष्य की प्लानिंग |
| गुड लोन | : आसान बनती है |
| बैड लोन | : मुश्किलें बढ़ाती है |

### कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

### लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

### समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

### नैनिताल के दार्शनिक स्थलों का किया भ्रमण

# विद्यार्थियों में ऐतिहासिक धरोहरों की जिज्ञासा बढ़ाएंगे शिक्षक

- विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सोनीपत के 22 सहित प्रदेशभर के 222 पीएमश्री राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को कराया शैक्षणिक भ्रमण
- चार दिन विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर वापस लौटा शिक्षकों का दल, अवकाश के बाद बच्चों को विस्तारपूर्वक देंगे जानकारी
- शिक्षा विभाग की ओर से सोनीपत में 11 पीएमश्री राजकीय विद्यालयों का किया जा रहा संचालन, प्रत्येक स्कूल से दो शिक्षक रहे शामिल

सोनीपत। नैनिताल में ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के दौरान जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह के साथ मौजूद पीएमश्री राजकीय विद्यालयों के शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में प्रदेश के 11 विभिन्न जिलों के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को नैनिताल के दार्शनिक स्थलों, ऐतिहासिक झील, झरनों व धार्मिक स्थलों का भ्रमण करवाकर उनका ज्ञान बढ़ाया गया। अब यहीं शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक दार्शनिक स्थलों के बारे में जानकारी देकर उनकी जिज्ञासा को बढ़ाएंगे। प्रदेशभर के पीएमश्री राजकीय विद्यालयों से चयनित कुल 260 में से 222 शिक्षक भ्रमण का हिस्सा बनें। शैक्षणिक भ्रमण में सोनीपत के 11 पीएमश्री राजकीय विद्यालयों से 22 शिक्षकों को भी जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में भ्रमण पर जाने का अवसर मिला। जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जिला के प्रत्येक पीएमश्री विद्यालय से दो-दो शिक्षकों का चयन किया गया था। सोनीपत सहित 222 शिक्षकों का संयुक्त दल 12 जनवरी को करनाल से नैनिताल के लिए रवाना हुआ। इसके बाद विशेषज्ञों ने 13 जनवरी को नैनिताल के विभिन्न दार्शनिक स्थलों, बाबा नीम करौली धाम, ऐतिहासिक झील, झरनों की धरोहर, इतिहास से अवगत कराया। इसके बाद 14 जनवरी को सभी शिक्षकों को नैनिताल के गिरिजा माता मंदिर, जोन कॉर्बेट नेशनल पार्क के म्यूजियम का भ्रमण करवाकर उसकी विशेषताओं व सुविधाओं से अवगत कराया गया। इस बीच प्रदेशभर के शिक्षकों के सामूहिक रूप से लोहड़ी व मकर संक्रांति का पर्व भी मनाया। वहीं 15 जनवरी को शिक्षकों को नैनिताल के हनुमान धाम का भ्रमण करवाया गया। चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के बाद शिक्षकों का दल वापस अपने जिलों में लौट चुका है।

### दो-दो शिक्षकों का चयन किया गया था

राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने के उद्देश्य से सभी पीएमश्री विद्यालयों के चयनित शिक्षकों को नैनिताल का भ्रमण करवाया गया। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से सभी पीएमश्री विद्यालयों से दो-दो शिक्षकों का चयन किया गया था। चार दिन विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर शिक्षकों का दल वापस लौट चुका है। अवकाश के बाद सभी शिक्षक विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक संबंधित जानकारी देंगे। - नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

### विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे ज्ञान

*ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जागरूक करना भ्रमण का उद्देश्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से सोनीपत में 11 पीएमश्री राजकीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। भ्रमण के लिए प्रत्येक विद्यालय से दो शिक्षकों का चयन किया गया। भ्रमण के दौरान लिए गए ज्ञान को अब शिक्षक अवकाश के बाद अपने विद्यालयों में विद्यार्थियों के साथ साझा करेंगे। शिक्षकों को शैक्षणिक भ्रमण करवाने का उद्देश्य विद्यार्थियों को दार्शनिक स्थलों से अवगत कराकर उनके ज्ञान में वृद्धि करना है, ताकि विद्यार्थियों को अपने ऐतिहासिक दार्शनिक स्थलों व धरोहरों से अवगत कराया जा सके।*

# नपा ने होर्डिंग व फ्लैक्स लगाने के लिए टैंडर छोड़ा, अवैध होर्डिंग लगाने पर दिए नोटिस

- अब दुकान, घर व अपने भवन पर भी नही लगा सकेंगे बड़ा होर्डिंग, होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

नगरपालिका क्षेत्र में होर्डिंग व फ्लैक्स लगाने के लिए नगरपालिका ने टैंडर जार कर दिया है, इसी के साथ ही अवैध रूप से शहर में होर्डिंग लगाने वालों को नाटिस भी जारी कर दिए है कि वे अब केवल ठेकेदार के माध्यम से ही अपने होर्डिंग व फ्लैक्स लगवाए। अगर कोई व्यक्ति अपने मकान पर होर्डिंग लगवाता है तो उसे भी नगरपालिका नोटिस देगी और उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। नगरपालिका के एमई राहुल मोर ने बताया कि नगरपालिका द्वारा होर्डिंग व फलैक्स लगाने के लिए टैंडर लेने वाली दो एंजेसी को स्थान निर्धारित कर दिए है। उसमें एक्सीस एड एंजेसी को शहर के देवीलाल चौक, रेलवे रोड पर रजवाहे के पास, मिनी सचिवालय के सामने, रेलवे रोड पर पैट्रोल पम्प के पास साईट अलाट की है। इसके अलावा पिनकिन आऊटडोर मीडिया लिमिटेड को सब्जी मंडी के पार साईट अलाट की गई है। शहर में दोनो एड एंजेसी के माध्यम से अब कुल 6 साईट लगाई जाएगी।

एड एंजेसी द्वारा देवीलाल चौक पर फलैक्स के लिए लगवाई गई साईड।

### साइट लगवाने व टैंडर का बहुत है खर्च : ठेकेदार

एक्सीस एड एंजेसी के संचालक रौशनलाल ने बताया कि टैंडर होने के साइट लगाने का खर्च अपनी तरफ से टैंडर फीस के अलावा है। प्रति साइट प्रति महीने टैंडर के हिसाब से नगरपालिका को 22 से 30 हजार रूपयें तीन महीने के हिसाब से एडवास में देने पड़ेंगे। उन्होंने भी अवैध होर्डिंग लगवाने वालों से अपील की है कि वे खुद होर्डिंग हटवा दे अन्यथा नगरपालिका कार्रवाई करेगी।

### एंजेसी को टैंडर नगरपालिका ने इस रेट पर दिया

टैंडर के अनुसार सबसे मंहगी साइट नगरपालिका ने देवीलाल चौक पर 1320 रुपये पर सकेयर सैटीमीटर के हिसाब दिया है और ऊन सभी साइट पर साढे बाई 6 साइज का फलैक्स लगवाया जा सकेगा। 1120 रुपये प्रति सैं सैंमीटर के हिसाब से लीमा ढाबे के पास व 820 रुपये के हिसाब से सब्जी मंडी के पास अलाट किया गया है।

### रेलवे के ठेकेदार ने लगवाए होर्डिंग साइट

रेलवे स्टेशन के पास रेलवे स्टेशन के क्षेत्र में रेलवे की तरफ से होर्डिंग लगाने का टैंडर लेने वाले ठेकेदार ने दो बड़ी साइट लगवा दी है। अब वह भी कोई होर्डिंग मनमानी जगह नही लगा पाएगा।

### खुद अपने मकान से फ्लैक्स हटवा लें

नगरपालिका सचिव प्रदीप ने बताया कि अब अपने घर, मकान, दुकान पर एड करने के लिए कोई भी मकान मालिक अपने भवन पर किसी का होर्डिंग नहीं लगवा सकेंगे। ऐसा करने पर नगरपालिका नोटिस देकर उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी। ऐसा करने वाले को नगरपालिका ने नोटिस देने शुरू कर दिए है। उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि वे खुद अपने मकान से फलैक्स हटवा ले। केवल दुकानदार ही अपनी दुकान पर संबधित निर्धारित फलैक्स लगा सकता है। बड़ा लगाने पर उसके भी नोटिस दिया जाएगा।

### बगलामुखी विष्णेश्वर मंदिर में नरक निवारण चतुर्दशी पर विशेष पूजन

सोनीपत। मोहननगर स्थित बगलामुखी विष्णेश्वर महादेव मंदिर में माघमास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को नरक निवारण चतुर्दशी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन किया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही और वातावरण भक्तिमय हो गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर का वध किया था, इसलिए इस तिथि को नरक निवारण चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान कृष्ण के साथ-साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर में विशेष अभिषेक, दीप प्रज्वलन और आरती का आयोजन किया गया।

# कोर्ट के फैसले को शिक्षकों व शिक्षा स्टाफ पर लागू किया जाए : संघ

- संगठन ने अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय शिक्षा विभाग हरियाणा को पत्र लिखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के जिला प्रधान नरेंद्र चहल, सचिव दिनेश छिक्कारा राज्य सचिव जोगिंदर सिंह, जिला कोषाध्यक्ष रोहतास गंगाना ने संयुक्त प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले अनुसार प्रदेश में कार्यरत सभी अनियमित शिक्षकों एवं सहायक स्टाफ को नियमित करने की मांग को लेकर संगठन ने अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय शिक्षा विभाग हरियाणा को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे गरिमापूर्ण और राष्ट्र-निर्माण से जुड़े कार्य को यदि अनियमित, असुरक्षित और पेंशन-विहीन बना दिया जाए, तो उस देश के विकास की कल्पना करना ही बेमानी है।

### हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही

आज हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था इसी गंभीर संकट से गुजर रही है, जहां वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षक और शिक्षा कर्मचारी आज भी अस्थायी, कच्चे और शोषणकारी ढांचे में काम करने को मजबूर हैं। उन्होंने आगे बताया कि आगे बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने 23 दिसंबर 2025 व 31 दिसंबर 2025 को स्पष्ट, तर्कपूर्ण और ऐतिहासिक फैसलों में निर्देश दिए हैं कि 1993, 1996, 2003 व 2011 की नीतियों के तहत पात्र कच्चे कर्मचारियों को नियमित किया जाए तथा 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को पद सृजित कर नीति बनाकर पक्का किया जाए। इसके बावजूद हरियाणा सरकार इन आदेशों को लागू करने के बजाय कभी डबल बेंच, तो कभी सुप्रीम कोर्ट का बहाना बनाकर टालमटोल की नीति अपना रही है, जो न्यायालय की भावना के विपरीत है। इसी प्रकार स्कूलों एवं शिक्षा विभाग में कार्यरत लगभग 40–50 हजार कच्चा सहायक स्टाफ, जिनमें पार्ट-टाइम स्वीपर, चौकीदार, मिड-डे मील वर्कर, सिम, शिक्षा बोर्ड भिवानी का कच्चा स्टाफ, एससीईआरटी गुरुग्राम का कच्चा स्टाफ तथा खंड, जिला व निदेशालय स्तर के शिक्षा कार्यालयों में कार्यरत कच्चे कर्मचारी शामिल हैं, गंभीर शोषण की स्थिति में कार्य कर रहे हैं।

# पूर्व मेयर ने सेक्टर 15 में चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम की ओर से शहर में हर सप्ताह शनिवार को चलाए जाने वाले स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पूर्व राजीव जैन के नेतृत्व में सेक्टर 15 में सफाई करवाई गई। नगर निगम में मेयर का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी राजीव जैन ने स्वच्छता अभियान का नेतृत्व कर कर्मचारियों के साथ अपना योगदान दिया। पूर्व मेयर राजीव जैन ने बताया कि चाहे मेयर का कार्यकाल खत्म हो गया हो, लेकिन फिर भी वह जिम्मेदार नागरिक की तरह स्वच्छता प्रहरी बनकर सफाई अभियान में अपने सहयोग जारी रखेंगे। स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को अपने आसपास के इलाके को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। राजीव जैन ने शहर के सभी नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि नगर निगम प्रशासन को अपने बहुमूल्य सुझाव भी अवश्य दें, साथ ही स्वच्छता प्रहरी बनने के लिए आगे आए। स्वच्छता नियमों एवं सिद्धांतों का हमें मजबूती व सख्ती से पालन करना होगा, तभी शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जा सकता है।

सोनीपत। सेक्टर 15 में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई करवाते हुए नगर निगम के पूर्व मेयर राजीव जैन। फोटो : हरिभूमि

## न्यूज डायरी

### अमित खरब गुमाना बने इनेलो जिला उपाध्यक्ष

गोहाना। गांव गुमाना निवासी अमित खरब को इनेलो पार्टी की जिला सोनीपत इकाई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अपनी इस नियुक्ति को लेकर अमित खरब ने पार्टी हाईकमान का आभार जताया। इनेलो पार्टी के सोनीपत में राठधाना मार्ग स्थित जिला कार्यालय में 22 जनवरी को पार्टी का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित होगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर पार्टी द्वारा जनसम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को पार्टी के प्रदेश सचिव जोगेंद्र मलिक, भूपेंद्र मलिक, सुरेंद्र मलिक, जिलाध्यक्ष कुणाल गहलावत और बरोदा हलका अध्यक्ष सुरेंद्र सिरसाढ़ द्वारा बरोदा हलके के कई गांवों का दौरा करके लोगों को सम्मेलन का निमंत्रण दिया। इसी संदर्भ में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गांव रामगढ़ में बैठक करके सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विचारविमर्श किया। इसी दौरान अमित खरब को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गई। कार्यक्रम में महिला जिला अध्यक्ष मनजीत फौगाट, जिला महासचिव आनंद शर्मा, आर्यन मलिक, दिलशेर सिवाच, मैसी लठवाल, संदीप लठवाल व जगदीश रूखी उपस्थित रहे।

### गजानन महाराज की पुण्यतिथि पर भंडारा

गन्नौर। बड़ी स्थित महाकाली मन्दिर के महंत बाबा मंशापुरी महाराज ने बताया कि उनके शिष्य गजाननपुरी महाराज की पुण्यतिथि पर 21 जनवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारे में आसपास के लोगों के अलावा दिल्ली, यूपी, उतराखंड, हरिद्वारा आदि प्रदेशों से काफी संख्या में साधु- संत पहुंचेंगे।

### छात्राओं को व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास सकारात्मक सोच से अवगत करवाया

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर 12 में शनिवार को "लुक शार्प, थिंक शार्प: ए लेक्चर ऑन ग्रूमिंग, कॉन्फिडेंस एंड पर्सनैलिटी" विषय पर एक एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्राओं को व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा व्यक्तिगत ग्रूमिंग के महत्व से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ता ताऊ देवीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय मुरथल सोनीपत से डॉ. गीता रानी ने छात्राओं को आत्म-प्रस्तुति, प्रभावी संवाद कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर मार्गदर्शन दिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार अंतिल ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं को अकादमिक ज्ञान के साथ-साथ जीवन कौशल विकसित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने छात्राओं से इस प्रकार के आयोजनों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी पूनम तोमर के द्वारा किया गया।

# भाषण व प्रश्नोत्तरी में दिखाई प्रतिभा

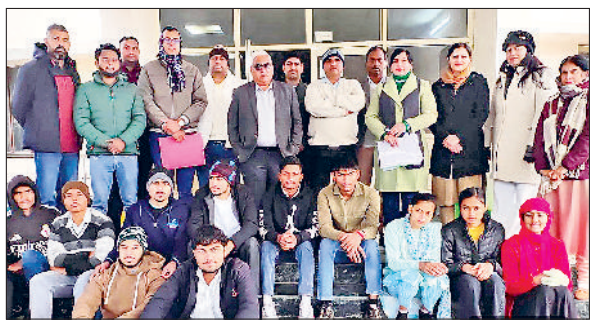

गोहाना। प्रतियोगिताओं में विजेता घोषित विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना-सोनीपत मार्ग पर बड़ौता गांव स्थित राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को सरस्वती महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विषय संबंधित भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने की। संयोजन महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति प्रभारी डॉ. सरिता मलिक का रहा।

### प्रतियोगिता के परिणाम

कार्यक्रम में विषय संबंधित भाषण प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष के छात्र जतिन प्रथम रहे। बीकॉम प्रथम वर्ष के छात्र पुनीत ने द्वितीय और बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा ममता ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. मीना देवी, डॉ. सरिता और डॉ. नेहा सपरा ने निभाई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों से विषय संबंधित सौ प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा ममता और बीए तृतीय वर्ष की छात्रा प्रियंका की टीम अव्वल रही। बीए तृतीय वर्ष से रवि और हिमांशु की टीम ने द्वितीय जबकि बीए तृतीय वर्ष से जतिन और बीए प्रथम वर्ष से लक्ष्य की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्राचार्य व शिक्षकों ने सम्मानित किया।

### छात्राओं ने मेरिट सूची में दर्ज करवाया नाम

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत के गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं ने विभिन्न परीक्षाओं की मेरिट सूची में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपना तथा कॉलेज का नाम गौरवान्वित किया है। संस्था के प्रधान डा. ओ.पी. परूथी और प्राचार्या डा. मनुला स्पाह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन का नाम रोशन करने वाली सभी छात्राओं को बधाई दी। बीएससी (एचएससी) दिसंबर 2024 सत्र के सेमेस्टर -1 में छात्रा प्रियंका ने चौथी, तमन्ना ने छठी तथा शिवानी ने सातवीं रैंक प्राप्त की। इसी प्रकार बीएससी (एचएससी) मई 2025 सत्र के सेमेस्टर - 4 में छात्रा निशि ने चौथी रैंक हासिल की। ममता ने छठी, दिव्या ने आठवीं, निधि ने नौवीं, सलोनी ने बारहवीं तथा यशिका ने पंद्रहवीं रैंक प्राप्त की। बीएससी (एचएससी) मई 2025 सत्र के सेमेस्टर-6 में छात्रा सुरेखा ने प्रथम, प्राची ने द्वितीय, प्रियंका ने सातवां, भारती ने आठवां, साना सेफी ने चौदहवां तथा संध्या ने पंद्रहवां स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की हैड ऑफ डिपार्टमेंट मोनिका, दिव्या, प्रिया एवं पूनम ने सभी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

### हरिद्वार से डॉ. स्वामी दिव्यानंद भिक्षु महाराज ने सत्संग में अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया

# बाहरी आडंबरों के बजाय अपने भीतर झांक परमात्मा का करें स्मरण : डॉ. दिव्यानंद भिक्षु

सत्संग की बातों को जीवन में उतारे बिना सत्संग सुनने का कोई फायदा नहीं

- श्री दुर्गा माता मंदिर निर्भर मंडल, ककरोई रोड की ओर से गीता मानस अमृत महोत्सव ज्ञान भक्ति यज्ञ का दूसरा दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

श्री दुर्गा माता मंदिर निर्भर मंडल, ककरोई रोड की ओर से मंदिर परिसर में चल रहे तीन दिवसीय गीता मानस अमृत महोत्सव ज्ञान भक्ति यज्ञ का शनिवार को दूसरा दिन रहा। कार्यक्रम में हरिद्वार से डॉ. स्वामी दिव्यानंद भिक्षु महाराज ने सत्संग में अपने प्रवचनों से श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने गीता के 16वें अध्याय के माध्यम से श्रद्धालुओं को अवगत कराया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ की गई। डॉ. स्वामी दिव्यानंद भिक्षु महाराज ने बताया कि कृष्ण जी ने कहा था कि गीता का उपदेश यही है कि धर्म को ग्लानि से बचाना। आपके अंदर नकारात्मकता का भाव नहीं होना चाहिए। बाहरी आडंबरों के बजाय अपने भीतर झांकें और परमात्मा का स्मरण करें। सत्संग में बैठने का फायदा तभी है, जब आप वहां मन लगाकर बैठें, न कि सिर्फ तन से। सत्संग की बातों को जीवन में उतारे बिना सत्संग सुनने का कोई फायदा नहीं है। हनुमान जी ने जिस प्रकार जप व तप से साधना कर भक्ति व शक्ति का जो मार्ग प्रस्तुत किया, वह आज के समय में कोई नहीं कर सकता। डॉ. स्वामी दिव्यानंद भिक्षु महाराज ने जिंदगी रूपी गाड़ी का उदाहरण देते हुए बताया कि जिस प्रकार गाड़ी में पेट्रोल डालते हैं, तो हमें लगता है कि गाड़ी चल रही है, उसी प्रकार हमारे जीवन की गाड़ी है। शरीर कपड़े जैसा है। जिस प्रकार आप शरीर से कपड़ा उतारकर दूसरा कपड़ा पहनते हो। फिर मैं गोरा, तुम काला कहते हो। तुम गोरे हो या तुम्हारा शरीर गोरा है, शरीर की परिभाषा को समझने तक भागवत का सार आपकी समझ में नहीं आएगा। कार्यक्रम में संस्था के सरपरस्त कन्हैया लाल, प्रधान रतनलाल , उपप्रधान लाजपत नासा, सचिव शिव चावला, कोषाध्यक्ष कमलदीप तनेजा, ऑडिटर लालचंद मुटरेजा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। ककरोई रोड स्थित श्री दुर्गा माता मंदिर में सत्संग के दौरान प्रवचन सुनते श्रद्धालु व प्रवचन करते डॉ. स्वामी दिव्यानंद भिक्षु महाराज। फोटो : हरिभूमि

### फुटबाल में छाया शुभम जीती प्रतियोगिता

सोनीपत। राष्ट्रीय स्तर की एसजीएफआई फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर - 17 बॉयज वर्ग में हिंदू विद्यापीठ के शुभम ने प्रथम स्थान हासिल किया है। 12 से 16 जनवरी तक सेवा साधना केंद्र, पट्टी कल्याणा, समालखा में आयोजित प्रतियोगिता में फाइनल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे शुभम ने अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं समस्त विद्यार्थियों ने शुभम को इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने शुभम को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

### शिक्षक गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति अपनाएं

गोहाना। गीता विद्या मंदिर गोहाना में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से अनुभवात्मक अधिगम विषय पर कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन आचार्या मन्नू ढूहन रहीं। विद्यालय के प्राचार्य अश्विनी कुमार एवं विभाग प्रमुख दीपक कपूर द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य अश्विनी कुमार ने कहा कि अनुभवात्मक शिक्षण से कक्षा शिक्षण अधिक प्रभावी, रोचक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान दें। कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को अनुभवात्मक अधिगम की अवधारणा, उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग तथा कक्षा में क्रियान्वयन के विविध तरीकों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण सत्रों में सहभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और शिक्षण-अधिगम की नवीन विधियों पर सार्थक चर्चा की। यह कार्यक्रम शिक्षकों की दक्षता वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ, जिससे विद्यालयी शिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

## खबर संक्षेप

### पीरू सिंह की स्मृति में 20 को होगा समारोह

खरखौदा। मटिंडू गांव के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी पीरू सिंह की स्मृति में 20 जनवरी को गुरुकुल परिसर में समारोह आयोजित किया जाएगा। चौधरी पीरू सिंह का जीवन समाज सुधार, शिक्षा के प्रसार और आर्य समाज के सिद्धांतों को समर्पित रहा। उन्होंने वर्ष 1911 में आयोजित ऐतिहासिक बरोणा महापंचायत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने और सामाजिक नियमों की पालना पर विशेष जोर दिया गया था।

स्वतंत्रता सेनानी चौधरी पीरू सिंह का फाइल फोटो

### कांग्रेस की शहरी व ग्रामीण कार्यकारिणी घोषित

सोनीपत। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने शनिवार को सभी जिलों की कार्यकारिणी की घोषणा की है। जिसके तहत सोनीपत शहरी और ग्रामीण कार्यकारिणी का भी गठन किया गया है। सोनीपत शहरी अध्यक्ष कमल दिवान ने नवनियुक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा मुद्दों की राजनीति करने के बजाए लोगों को बरगलाने का काम कर रही है। आज के समय में हर वर्ग भाजपा की नीतियों से परेशान है। आने वाला समय कांग्रेस का होगा।

### गांव गुमड़ में दो विभागों में उलझी परियोजना, 160 वर्ग गज में होना है निर्माण

# कैसे बनेगा पशु अस्पताल, घोषणा के चार साल बाद भी नहीं मिली जमीन

- तीनों गांवों में 1.05 करोड़ रुपये की लागत से होना है निर्माण
- शाहपुर तगा व सांदल कलां गांव में बन चुके अस्पताल

पशु अस्पताल के अभाव में चार गांवों के ग्रामीणों को गन्नौर के लगाने पड़ते हैं चक्कर। हालाकि गांव के बीच पार्क की जमीन पशु अस्पताल निर्माण के लिए जगह चयनित की गई थी, लेकिन ग्रामीण उस जगह के लिए राजी नहीं हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लोक निर्माण विभाग को गांव गुमड़ में राजकीय पशु अस्पताल निर्माण के लिए 4 साल बाद भी 160 वर्ग गज जमीन नहीं मिल पाई है। 4 साल बाद भी जमीन का चयन नहीं हो पाया है। अस्पताल के निर्माण का मामला दो विभागों में उलझकर रह गया है। लोक निर्माण विभाग ने मई 2025 में पशुपालन विभाग को जमीन चयन की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन आज तक जमीन मुहैया नहीं हो पाई है। वहीं योजना के तहत चयनित तीन में से दो गांव शाहपुर तगा व सांदल कलां में अस्पताल का निर्माण हो चुका है। वर्ष 2024 व 2025 में दोनों गांवों में राजकीय पशु अस्पताल का निर्माण होने के बाद गुमड़ में योजना को सिरे चढ़ाने में देरी पर देरी हो रही है। ग्रामीणों ने वर्ष 2017 में गन्नौर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल से गुमड़ में पशु अस्पताल बनवाने की मांग की थी। वर्ष 2022 में प्रस्ताव पास होने के बाद घोषणा के तहत गांव गुमड़, सांदल कलां व शाहपुर तगा में करीब 1.05 करोड़ रुपये की लागत से 160-160 वर्ग जमीन पर तीन राजकीय पशु अस्पताल का निर्माण करवाया जाना था। दो गांव में अस्पताल निर्माण पूरा कर लिया गया है, जबकि अब गुमड़ में भी 35 लाख रुपये की लागत से पशु अस्पताल का निर्माण करवाया जाना है।

सोनीपत के रेलवे रोड स्थित लोक निर्माण विभाग का कार्यालय।

#### आसपास के चार गांवों को मिल सकती है सुविधा

गांव में पशु अस्पताल बनने से गुमड़ सहित अहीर माजरा, अगवानपुर व शेखपुरा के ग्रामीण फायदा मिल सकता है। साथ ही पशुओं को समय पर इलाज मिलने के साथ चिकित्सा सुविधा में सुधार की संभावना की जा सकती है। फिलहाल गुमड़ सहित आसपास के इन गांवों के ग्रामीणों को गन्नौर के पशु अस्पताल में अपने पशुओं का इलाज करवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा हैं। आपातकाल के दौरान ग्रामीणों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। अगर गुमड़ में पशु अस्पताल का निर्माण हो जाता है, तो चारों गांवों के ग्रामीणों को गन्नौर का रुख नहीं करना पड़ेगा। साथ ही उन्हें आसपास सुविधा मिल सकेगी।

#### निर्माण में देरी

पशु अस्पताल निर्माण के लिए जमीन चयन की जिम्मेदारी पशुपालन विभाग को सौंपी गई है। जमीन निर्धारित नही होने के कारण ही निर्माण कार्य में देरी हो रही है। पशुपालन विभाग जैसे ही लोक निर्माण विभाग को जगह मुहैया करवाएगा तो काम शुरू करवा दिया जाएगा। **अभिषेक जाटान, कार्यकारी अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग।**

#### ग्रामीणों ने किया था प्रदर्शन

गुमड़ में पहले गांव के बीच पार्क की जमीन पर पशु अस्पताल निर्माण के लिए जगह चयनित की गई थी, लेकिन ग्रामीण उस जगह अस्पताल निर्माण के लिए राजी नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पार्क बच्चों व बुजुर्गों के टहलने के लिए बनाया गया है। यहां पशु अस्पताल बनने से सार्वजनिक सुविधाओं पर असर पड़ेगा, स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ेगी। इसको लेकर ग्रामीणों ने मार्च 2025 में पार्क की जमीन पर अस्पताल निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्रदर्शन भी किया था। ग्रामीणों ने कहा था कि प्रशासन पार्क की जगह छोड़कर अन्य स्थान पर अस्पताल का निर्माण करवा सकता है। मामले में प्रशासन के हस्तक्षेप के बावजूद आज तक दूसरी जगह चयनित नहीं हुई है। ऐसे में लोक निर्माण विभाग ने पशुपालन विभाग को जमीन चयन की जिम्मेदारी सौंपी है, लेकिन आज तक दूसरी जगह का चयन नहीं हो पाया है।

## न्यूज डायरी

गोहाना। स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए वक्ता सुप्रिया। फोटो : हरिभूमि

### जान बचाने के लिए प्राथमिक चिकित्सा जरूरी

गोहाना। गांव कथूरा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित एनएसएस शिविर में स्वयंसेविकाओं को प्राथमिक चिकित्सा संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार ने की। संयुक्त संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी समृद्धि और एनएसएस सहायक सुप्रिया का रहा। मुख्य वक्ता सहायक सुप्रिया ने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी होना आवश्यक है। प्राथमिक चिकित्सा के माध्यम से जरूरत के समय हम किसी भी जान बचा सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को नशा मुक्ति और एड्स से बचाव बारे भी जागरूक किया। इस अवसर पर एनएसएस सहायक पायल, रामदिया शास्त्री और प्रगति युवा क्लब अध्यक्ष दिलबाग सिंह सहित एनएसएस स्वयंसेविकाएं उपस्थित रही।

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद विभिन्न यूनियन के पदाधिकारी एवं सदस्य।

### 12 फरवरी की हड़ताल में होंगे शामिल कर्मचारी

सोनीपत। केंद्रीय ट्रेड यूनियन व कर्मचारी फेडरेशनों की बैठक शनिवार को पंचायत भवन में 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर हुई। जिसमें निर्णय लिया कि 12 फरवरी को नगर निगम पार्क में सुबह 10 बजे इकट्ठा होंगे और उसके बाद शहर में जुलूस निकाला जाएगा।

वरिष्ठ सदस्य कामरेड श्रद्धानंद सोलंकी ने कहा कि सरकार देश और विदेश के पूंजीपतियों के हित में चार लेबर कोड लागू करने जा रही है। पुरानी पेंशन बहाल नहीं कर रही है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। बेरोजगार दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। ईश्वर सिंह राठी ने कहा कि अस्थायी ठेका आउटसोर्सिंग पर कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। सभी विभागों को विदेशी पूंजी पतियों को बेचा जा रहा है। कम वेतन पर काम करने वाली आशा, मिड डे मील, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी बनाना तो दूर रहा उनको न्यूनतम वेतन भी सरकार देने को तैयार नहीं है। किसानों की लंबे समय से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग सरकार पूरी नहीं कर रही है। बैठक में शीलकराम मलिक,प्रताप सिंह, सेवानंद, बलवान सिंह, जयवीर राठी, ऋतुराज, देवेंद्र मलिक, शिवकुमार, जोगिंद्र सिंह, मेहर सिंह भी मौजूद रहे।

खरखौदा। ट्रायल में चयनित किए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

### स्टेट थांग - ता चैंपियनशिप के लिए टीम का चयन

खरखौदा। आर्यावर्त स्कूल खांडा में खेलो इंडिया हरियाणा स्टेट थांग - ता चैंपियनशिप के लिए जिला की टीम के लिए ट्रायल आयोजित किया गया। जिसका आयोजन थांग ता एसोसिएसन जिला सोनीपत द्वारा किया गया। इस अवसर पर ऑब्जर्वर नीतीश कुमार बागड़ी का स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया गया। महासचिव विकास बिडलान ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन सब जूनियर , जूनियर, सीनियर लड़के और लड़कियों के आयु वर्गों में इवेंट फुनबा अमा, फुनबा अनिशुबा, थांग हाईबा, थांगलोन, खांगलोन खुटलोन में खिलाड़ियों का चयन किया गया। फाइट का शुभारंभ स्कूल प्रिंसिपल निपुण कौशिक ने किया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इतना ही नहीं खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। इस मौके पर विकास बिडलान नितेश बागड़ी, अजय कुमार, दीपक, विजय, राहुल, आदि उपस्थित रहे।

खरखौदा। पदक विजेताओं का स्वागत करते हुए स्कूल प्रबंधन।

### विधि व पलक ने स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया गौरव

खरखौदा। हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित 43 वीं सीनियर नेटबॉल राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रताप स्कूल की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। विधि दहिया व पलक ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। लौटने पर दोनों खिलाड़ियों का प्रताप स्कूल परिसर में स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, संस्थापक सतप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, डॉ. दीपिका दहिया, विधि की माता संजीता तथा नेटबॉल कोच संसार दहिया ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्राचार्या दया दहिया ने कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम एवं खेल गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाता है। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने कहा कि विधि दहिया और पलक दहिया ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से न केवल

17 केकेडी 1 फोटो। बेटियों का जन्मदिन मनाते हुए सुपरवाइजर व कार्यकर्ता

### गांव कुंडल जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बेटियों को भेंट किए उपहार

खरखौदा। ब्लॉक के कम लिंगानुपात वाले गांव कुंडल में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र में बेटी जन्मोत्सव मनाया गया। तीसरी बेटी के रूप में जन्म लेने वाली नवजात जिया का आंगनवाड़ी केन्द्र में प्रथम बार आने पद चिन्ह लेते हुए महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी नीलम, डॉ श्रीभगवान, सरपंच उषा देवी, सर्कल सुपरवाईजर सुदेश व आंगनवाडी कार्यकर्ताओं- ज्योति, सरोज, उषा, रामेश्वरी, सुषमा द्वारा स्वागत किया गया। नवजात से 6 वर्ष की बालिकाएं जिनका जन्मदिवस माह जनवरी में आता है, उन 8 बालिकाओं का जन्मोत्सव केक काटकर मनाया गया। महिलाओं द्वारा मंगल गान गाया गया और बालिकाओं को उपहार दिए गए।

### रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं : बड़ौली

सोनीपत। राठधना गांव के राजकीय विद्यालय परिसर में मोनू राठधना के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, सोनीपत नगर निगम के मेयर राजीव जैन, हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री अनिल ठक्कर, गन्नौर से पूर्व प्रत्याशी देवेंद्र कौशिक सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान ऐसा दान है जो किसी की तत्काल आवश्यकता को पूरा करता है और कई जिंदगियों को बचाने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि जीवन के खुशी के अवसरों जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर रक्तदान कर समाज को नई दिशा दी जा सकती है।

सोनीपत। रक्तदान करते भाजपा नेता संजीव वलेचा साथ में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, मोनू राठधना, दिनेश अत्री एवं अन्य।

## सीनियर राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप स्कॉट में विकास सिंगला ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ग्लोबल पावरलिफ्टिंग कमेटी से मान्यता प्राप्त नेचुरल स्ट्रांग पावरलिफ्टिंग फैडरेशन की ओर से एटलस रोड स्थित रोटरी मिड टाउन क्लब परिसर में दो दिवसीय इंडिया कप स्कॉट, बेंच प्रेस व डेडलिफ्ट पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ किया गया। इससे पहले सुबह देशभर से खिलाड़ी पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहुंचे। सभी खिलाड़ियों के भार व किट की जांच की गई। इसके बाद फैडरेशन की ओर से ओल्ड डीसी रोड स्थित एग्जोटिक जिम से एटलस रोड तक मार्च पास्ट निकाला गया।

इसके बाद चैंपियनशिप की शुरुआत ग्लोबल पावरलिफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष ली मार्शन व फैडरेशन के अध्यक्ष जुगल धवन ने सभी खिलाड़ियों के साथ गणेश पूजन करके की। फैडरेशन के अध्यक्ष जुगल धवन ने बताया कि राष्ट्रीय सीनियर चैंपियनशिप स्कॉट में हरियाणा के विकास सिंगला ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। धीरज मेहता ने रजत पदक हासिल किया।

सोनीपत। सोनीपत के एटलस रोड स्थित रोटरी मिड टाउन क्लब परिसर में आयोजित पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के दौरान फैडरेशन के अध्यक्ष जुगल धवन के साथ मौजूद स्वर्ण पदक विजेता विकास सिंगला व अन्य खिलाड़ी।

# वीबी जी राम जी से मेहनतकश का आर्थिक संरक्षण होगा सुनिश्चित : डॉ: अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत जी-रामजी कानून के माध्यम से देश के प्रत्येक मेहनतकश को आर्थिक और सामाजिक संरक्षण देना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वो गांव-गांव पहुंचकर श्रमिकों, किसान भाइयों को जागरूक करें तथा कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम को तथ्यों के आधार पर दूर करें। उन्होंने दावा किया कि जी-रामजी कानून भ्रष्टाचार खात्मे और शोषण को रोकने का बड़ा माध्यम बनेगा।

शनिवार को सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना में जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में पार्टी पदाधिकारियों को सम्बोधित किया। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की प्राप्ति की तरफ बढ़ रहा है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सहकारिता, ग्रामीण विकास, उद्योग, विज्ञान, खेल जैसे तमाम क्षेत्रों में देश प्रगति कर रहा है। हर गरीब को रोजगार मिले और उसकी गरिमा का सम्मान बढ़ाने के लिए ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार किया जा रहा है, जो महात्मा गांधी की भावना के अनुरूप व राम राज्य की स्थापना के लिए लाया जा रहा है। विकसित भारत जी-रामजी कानून को लेकर कांग्रेस भ्रम फैलाकर मनरेगा की उन खामियों को ढक़ने की कोशिश कर रही है, जो श्रमिकों के साथ-साथ देश को नुकसान कर रही थी। इस अवसर पर सतीश नांदल, डॉ. किरण कलकल, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान, बलराम कौशिक, महेंद्र चिड़ाना, डॉ. राममेहर राठी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोहाना। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

खरखौदा। विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए प्राचार्या

#### राजकीय महाविद्यालय में हुई जिला स्तरीय प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में जोगिता प्रथम

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली में उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में जिला स्तरीय सरस्वती महोत्सव मनाया गया। जिसके तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिला भर के राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय जाखौली की छात्रा जोगिता ने प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत की छात्रा तनिशा ने द्वितीय तथा राजकीय महाविद्यालय खरखौदा की छात्रा अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय खरखौदा की छात्रा निशु ने प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय सोनीपत की छात्रा नैना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

### अस्पताल में इलाज के लिए पहुंच रहे पहले से ज्यादा मरीज

# सेंसिटिविटी के बढ़ रहे मरीज, 125 पार पहुंची ओपीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

बढ़ती सर्दी के चलते नागरिक अस्पताल में दांतों में सेंसिटिविटी (झनझनाहट) के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। अस्पताल में दंत विशेषज्ञों के पास जांच करवाने के लिए आने वाले मरीजों की संख्या इन दिनों बढ़ रही है। दंत जांच के मरीजों की ओपीडी बढ़कर 125 पार पहुंच गई है, जबकि चिकित्सक के अनुसार गर्मी में दांतों की सेंसिटिविटी के मरीजों की संख्या करीब 70 से 80 रहती है। सर्दी में दांतों के सेंसिटिविटी बढ़ने का मुख्य कारण खानपान व दिनचर्या में ज्यादा चाय, कॉफी, ठंडे पानी या अधिक मीठे का सेवन करना है।

नागरिक अस्पताल में दंत विशेषज्ञ डॉ. अलका व डॉ. नरेंद्र ने बताया कि नागरिक अस्पताल में इन दिनों दांतों में दर्द के ज्यादा मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। दंत रोग विभाग में पहले के अपेक्षा अब रोजाना ओपीडी बढ़कर 125 पार पहुंच रही है। इनमें 8 साल के बच्चों से लेकर 45 वर्ष तक के लोग शामिल हैं। बच्चों में खानपान की वजह से दांतों में कीड़े लगने की ज्यादा संभावना रहती है। इसके अलावा उम्र बढ़ने के साथ टेढ़े-मेढ़े दांत आना भी बड़ी समस्या है। ऐसे में अभिभावकों को बच्चों के खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अभिभावकों को कैल्शियम की ज्यादा मात्रा वाले खाद्य पदार्थ बच्चों को देने का परामर्श दिया जाता है। बढ़ती उम्र के साथ सर्दी के मौसम में गर्म व ज्यादा ठंडे खानपान से अकर दांतों में सेंसिटिविटी बढ़ जाती है।

सोनीपत के नागरिक अस्पताल में मरीजों के दांतों की जांच करती चिकित्सक।

सोनीपत के नागरिक अस्पताल में दंत चिकित्सक कक्ष के बाहर अपनी बारी का इंतजार करते मरीज।

#### युवा अवस्था में भी सेंसिटिविटी की समस्या आम बात

चिकित्सकों ने बताया कि सर्दी के मौसम में दांतों की सेंसिटिविटी लोगों को ज्यादा परेशान करती है। आजकल युवा अवस्था में भी यह समस्या होना आम बात हो गई है। जब दांतों के बाहरी सुरक्षा परत घिस जाता है, तब दांत की यह समस्या बढ़ जाती है। यही कारण है कि नागरिक अस्पताल में सेंसिटिविटी के मरीजों की संख्या बढ़ी है। ऐसे मरीजों को दवा के साथ नियमित ब्रश करने, सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। दांतों में सेंसिटिविटी बढ़ने का कारण ठंडे व गर्म खानपान, ज्यादा चाय कॉफी का सेवन है। सर्दी में अचानक ठंडा पानी पीने से भी दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या बढ़ जाती है। दांतों के सही रखरखाव के लिए खानपान पर ध्यान देने के साथ तंबाकू से परहेज करना अनिवार्य है।

# गांव बिधलान से निरथान का होगा जुड़ाव, पक्की सड़क के निर्माण पर खर्च होंगे 53.53 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मुहैया करवाने के उद्देश्य से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की ओर से गांव बिधलान से निरथान के आपस में जुड़ाव को लेकर कच्चे मार्ग को पक्का करवाया जाएगा। इस कार्य पर विभाग की ओर से करीब 53.53 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। विभाग ने सड़क के निर्माण को लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। सड़क निर्माण से तीन गांवों के करीब 20 हजार से ज्यादा लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

सरकार की कच्चा पथ योजना के तहत गांवों को गांवों से आपस में जोड़ने वाली इस प्रक्रिया के तहत बिधलान से निरथान कच्ची सड़क को पक्का करवाया जाएगा। खरखौदा विधानसभा क्षेत्र के गांव बिधलान-नकलोई रोड से सेहरी-निरथान रोड को आपस में जोड़ने वाले मार्ग को पक्का किया जाएगा। इसी के तहत हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि करीब 1425 मीटर लंबी सड़क का निर्माण होने से गांव बिधलान, सेहरी व निरथान में रहने वाले ग्रामीणों को सुगम आवागमन मिल सकेगा।

सोनीपत। सोनीपत के गांव बिधलान से निरथान का कच्चा मार्ग।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

# आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

**कूल लाइफस्टाइल को महत्वः** जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

**सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः** बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

**टेक्नोफैशन का ट्रेंडः** जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

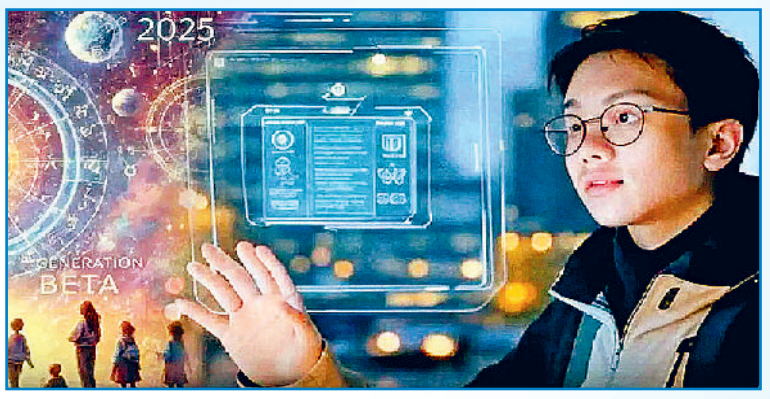


**प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः** आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

**टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः** आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

## आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

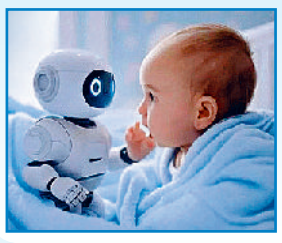

**जेन जी** के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

# डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

**किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः** डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

**तकनीक का करते हैं मिसयूजः** डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

**कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः** किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

## तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

# जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

## इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

**इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?**
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

**सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?**
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

**किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?**
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

**जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?**
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

**किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?**
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

**एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?**
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

**कितने समय में रोगी घर जा सकता है?**
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

**इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?**
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

**इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?**
इसमें जड़ से इलाज होता है।

**क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?**
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

**डॉ. प्रमोद पहारिया**
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

# उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

# आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

**पहाड़ों की रानी मसूरी:** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

**धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल:** उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

**नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी:** तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

**फूलों की वादी गुलमर्ग:** गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

**प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग:** पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

**भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग:** 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

**केरल का हिल स्टेशन मुन्नार:** केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

# कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

**समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर:** इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

**ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम:** संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

**अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए:** ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

**रहें सावधान:** इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

## मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

**संस्था ने** साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

# बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

**नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित:** लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

**वास्तव में क्या है लाबुबू:** लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

**कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी:** 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

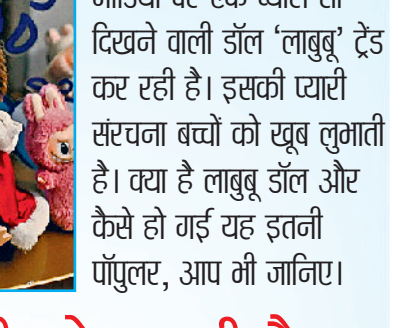
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

**कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट:** लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

**सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता:** अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

**सांस्कृतिक प्रतीक:** लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

## लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

**नुकीले कान:** चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

**तीखे दांत:** इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

**बड़ी-भावपूर्ण आंखें:** अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

**कॉम्पैक्ट आकार:** कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

**विविध डिजाइन:** क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

# छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

**चंदेरी:** किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

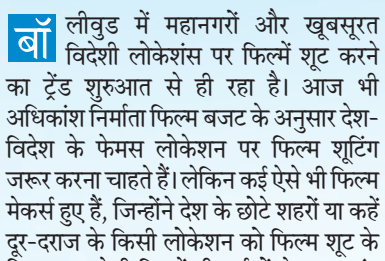
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

**मांडवा और मंडावा:** सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

**सेंट पॉल स्कूल:** दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

**महेश्वर घाट:** नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

**पटौदी पैलेस:** हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

**कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस:** 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *